By :- Sweta Kumari
Dept. of History
J.N.C. Madhubani

जापानी साम्राज्यवाद के पतन के कारण

The Causes of the fall of Imperialism in Japan.

एशिया में जापान का उदय एवं जापानी साम्राज्यवाद के प्रसार तथा जापानी साम्राज्य का निर्माण एक चमत्कार माना जाता है। इसमें जापान की आंतरिक एवं वाह्य परिस्थियों ने पर्याप्त योगदान दिया। 1902 ई० में Anglo-Japanese Treaty की आधारशिला पर जापान ने इस भव्य साम्राज्य का निर्माण किया तथा रूस, जर्मनी आदि को नीचा दिखाया। परन्तु द्वितीय महायुद्ध में भाग्य ने जापान का साथ नहीं दिया और जापानी साम्राज्यवाद पतन की ओर अग्रसर हुआ

जापानी साम्राज्यवाद के पतन के कारण

* 1. जापान ने जर्मनी के साथ गठनबंधन किया परन्तु जापान की पराजय हो गयी तथा उसके साथ ही जापान साम्राज्यवाद का पतन भी निश्चित हो गया।
* 2 जापान ने अमेरिकी उत्पादन शक्ति का सही मूल्यांकन नहीं किया तथा पर्ल बन्दरगाह दुर्घटना के एक वर्ष के अंदर अमेरि व्यवस्था ने अपना चमत्कार दिखाना आरम्भ किया। फलतः जापानी साम्राज्यवाद पतन की ओर अग्रसर हुआ।
* 3. तृतीयतः जापानी नेताओं ने जर्मनी की शक्ति का गलत अनुमान लगाया और रूस में जर्मनी की प्रारम्भि विजयों ने जापान को संयुक्त राज्य के विरुद्ध अंतिम फैसला हेतु सचेष्ट कर दिया जिसके कारण एशियाई युद्ध भी विश्वयुद्ध का अंग बन गया। इसके अलावा जाप ... थे। अतः उन पर कब्जा बनाये ...

*4. जापान में खनिज पदार्थ एवं पेट्रोल की कमी उसकी मौलिक कमजोरी थी जिससे जापान को अंतिम दिनों में काफी संकट उठाना पड़ा। फलतः जापानी साम्राज्य का पतन निश्चित हो गया।

*5. जापान की तत्कालीन परिस्थितियाँ भी निराशापूर्ण थी और उसका भाग्य जर्मनी से बँधा था। अतः जर्मनी की हार से उसकी हार भी निश्चित हो गई और जापानी साम्राज्यवाद का इस तरह गौरवपूर्ण अंत हो गया।

*6. उपर्युक्त कारणों के अलावा अणुबम ने जापान को भयंकर विनाश में डालकर प्रलय ला दिया। अतः वर्षों से सँजायी जापानी साम्राज्य की नींव बालू की भीत की तरह ढह गई और जापान स्वयं मित्र राष्ट्रों के अधीन आ गया। इस प्रकार जापानी साम्राज्यवाद का इस तरह सूर्य अस्त हो गया।

*7. जापानी साम्राज्यवाद के पतन हेतु उसकी जल और थल सेना की पारस्परिक ईर्ष्या और प्रतिद्वन्द्विता भी उतरदायी है।

*8 चीन-युद्ध को समाप्त करने हेतु जापान ने महायुद्ध में भाग लिया था। परन्तु नाजी जर्मनी के पतनोपरांत जापान को अकेले ही युद्ध के बाद विश्व की तीन बड़ी शक्तियों का विरोध सहना पड़ा जिसका अंत जापानी साम्राज्यवाद के पतन में परिणत हुआ।

संक्षेप निष्कर्षत यह भलीभाँति कहा जा सकता है कि इन्हीं उपर्युक्त वर्णित कारणों से जापानी साम्राज्यवाद का पतन हो गया।

8. जापान का औद्योगीकरण :→ जापान के पाश्चात्य राष्ट्रों की श्रेणी में स्वतः को खड़ा करने की होड़ में उनके पद चिन्हों पर चलना प्रारम्भ किया था। जापान ने उनके विकास का मूल कारण औद्योगिकरण को माना। अतः जापान ने जापान के वृहत औद्योगिकरण की नीति के अनुपालन में जापान के प्रब ने वहाँ एक औद्योगिक क्रांति को जन्म दे दिया। अब जा को अपने यहाँ तैयार माल को बेचने एवं कच्चे माल व प्राप्ति के लिए उपनिवेशों की आवश्यकताओं महसूस हो लगी। जापान सम्मुख इस समस्या के समाधान में प्रस्तुत पा राष्ट्रों की उदाहरण एवं नीतियाँ स्पष्ट रूप से खड़ी थी।

जापानी राष्ट्रीय परम्पराएँ :— जापान प्राचीन काल से सैन्य शक्ति की परम्परा वाला देश रहा है। जापान राष्ट्रीय परम्पराएँ सैन्यवाद के अनुकूल थी। जापान समाज में सदा से ही सैनिक को सर्वाधिक प्रतिष्ठा दृष्टि से देखा जाता था। पाश्चिम का जापान में जिस प्रकार हुआ था, उसने जापानी सैन्य शक्ति दुर्बलता को स्पष्ट कर दिया था। अपनी सैनिक को अपमान जापान कैसे सहन कर सकता था।

The End